राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम

प्रदेश में राष्ट्रीय एड्स नियंत्राण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य एड्स सोसायटी का गठन जून 2001 में किया जा चुका है वर्ष 2001 से राज्य के कार्यक्रमों का संचालन राज्य स्तरीय एड्स समिति द्वारा ही किया जा रहा है। इसके परियोजना संचालक के पद पर श्री एस. के. केहरि (आई.ए.एस.) संयुक्त सचिव स्वास्थ्य को नामांकित किया गया है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्राण कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक प्रदेश में निम्नलिखित सुविधाएं जन–सामान्य के लिए विकसित की गई है।

1. ब्लड बैंकः

राज्य में स्वैच्छिक रक्त दान वर्ष 2002 में 22.47 प्रतिशत की तुलना में जनवरी से नवम्बर माह 2003 में 26.77 प्रतिशत रहा।

मेडिकल कालेज रायपुर तथा जिला अस्पताल बिलासपुर में मेजर ब्लड बैंक कार्यरत है।

राज्य के सात जिलों जगदलपुर, दुर्ग,रायगढ़, राजनांदगांव, कांकेर एवं सरगुजा में जिला स्तर ब्लड बैंक कार्यरत है। महासमुंद, कवर्धा एवं धमतरी में ब्लड बैंक अतिशीघ्र प्रारंभे होने की स्थिति में शेष जिलों जशपुर, कोरिया, दंतेवाड़ा, रायपुर तथा जांजगीर में भी ब्लड बैंक स्थापना अंतिम चरण में है।

2. स्टेट ब्लड ट्रान्सफ्यूजन काउंसिल का गठन 26 मार्च 2003 को हुआ।

3. सेन्टीनल सर्विलेन्स :

राज्य में वर्ष 2002 सेन्टीनल सर्विलेन्स के अंतर्गत एस.टी.डी. प्रीविलेन्स रेट 0.8 रहा तथा ए.एन.सी. प्रीविलेन्स रेट 0.75 रहा। जिसमें यह महत्वपूर्ण है कि बिलासपुर में ए.एन.सी. प्रीविलेन्स रेट 2.00 रहा एवं रायगढ़ में ए.एन.सी. प्रीविलेन्स रेट 1.50 रहा।

4. एस.टी.डी. कार्यक्रम :

राज्य में अब तक पूर्व में स्थापित नौ एस.टी.डी. क्लिनिक कार्यरत् हैं। इस वर्ष 2003 में शेष में से छः जिलों क्रमशः कोरिया, जशपुर, जांजगीर, कोरबा, महासमुन्द एवं धमतरी को नये अतिशीघ्र एस.टी.डी. क्लिनिक शुरू हो जावेंगें।

राज्य में वर्ष2002 में कुल 9386 में कुल यौन रोगियों का इलाज किया गया।

राज्य में वर्ष 2003 में सितम्बर माह तक कुल 8538 यौन रोगियों का इलाज किया गया।

5. परिवार स्वास्थ्य जागरूकता अभियान :

लोगों में एड्स के प्रति जागरूकता, यौन व्यवहार में परिवर्तन तथा सुरक्षित यौन संबंधों में जन–जन तक जानकारी पहुँचाने के तहत कुल 893300 लोगों से संपक्र किया गया जिसमें से कुल 47087 यौन जनित रोग से ग्रसित पाये गये, जिनको निःशुल्क इलाज व मुफ्त दवाओं का वितरण किया गया।